# नेता ही बन जाऊंगा

*श्री गुरदीप सिंह दुआ*
*तकनीशियन*

देश में बढ़ रही बेरोजगारी,
नौकरी के लिए मारा-मारी,
पढ़े-लिखे भी मक्खी मार रहे,
जैसे-तैसे दिन काट रहे ।

ऐसे में जब निकम्मा लल्लू,
परीक्षा फल लेकर आया,
हर विषय में लाल गोला देख,
पिताजी को क्रोध आया ।

बोले-तेरा क्या होगा लल्लू,
चपरासी भी न बन पाएगा,
अभी समय है कर ले मेहनत,
वरना बहुत पछतायेगा ।

पर लल्लू ने ठान लिया था,
मुझे नही है अब पढ़ना,
रोज रात को देखता था वह,
नेता बनने का सपना ।

सभी गुण हैं मुझमें,
झूठ बोलना आता है,
भोली जनता को फुसलाकर,
आपस में लड़ाना आता है ।

आज का नेता,
लेता है, देता नहीं ।
मैं तो नेता ही बन जाऊंगा ।।

***